UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

राजनीति विज्ञान

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

राजनीति विज्ञान (11)

MODEL PAPER (RBSE) 8

कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड-"अ"

1. बहुविकल्पी प्रश्न -

(i) भारत ने किस महाशक्ति के साथ 1971 में बीस वर्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए? [1]

(अ) अमेरिका (ब) चीन
(स) सोवियत संघ (द) ब्रिटेन

(ii) मध्य एशिया में _____ दस वर्षों यानी 2001 तक गृहयुद्ध की चपेट में रहा। [1]

(अ) तज़िकिस्तान (ब) तुर्कमेनिस्तान
(स) अज़रबेजान (द) किरगिझस्तान

(iii) मध्य एशियाई गणराज्यों में _____ संसाधनों का विशाल भण्डार है - [1]

(अ) हाइड्रोकार्बनिक पेट्रोलियम (ब) लोहा
(स) कोयला (द) सोना

(iv) बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना किस देश द्वारा सहयोग दिया गया था। [1]

(अ) भारत (ब) चीन
(स) श्रीलंका (द) सोवियत संघ

(v) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय स्थित है। [1]

(अ) स्पेन (ब) स्विटरलैण्ड
(स) नीदरलैंण्ड्स (द) अमेरिका

(vi) विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या किस महाद्वीप में निवास करती है? [1]

(अ) एशिया (ब) अफ्रीका
(स) अमेरिका (द) यूरोप

(vii) 1964 में किस पार्टी को विभाजन देखना पड़ा। [1]

(अ) सोशलिस्ट पार्टी
(ब) कांग्रेस पार्टी
(स) स्वतंत्र पार्टी
(द) कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया

(viii) स्वेत क्रांति का जनक किसे माना जाता है? [1]

(अ) रामास्वामी नायकर (ब) वर्गीज कुरियन
(स) स्वामीनाथन (द) महालनोबिस

(ix) कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है... [1]

(अ) 26 जुलाई 1999 (ब) 24 जुलाई 1999
(स) 26 जुलाई 1998 (द) 25 जुलाई 1998

(x) भारत में आन्तरिक आपातकाल किस प्रधानमंत्री के काल में लगाया गया? [1]

(अ) जवाहर लाल नेहरू (ब) इंदिरा गांधी
(स) लाल बहुदर शास्त्री (द) राजीव गांधी

(xi) पंजाब समझौता कब सम्पन्न किया गया? [1]

(अ) 1980 (ब) 1985
(स) 1990 (द) 1988

(xii) राजग की स्थापना कब की गई थी? [1]

(अ) 1995 (ब) 1997
(स) 1998 (द) 2000

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(i) 1787 से 1914 तक अमेरिकी विदेश नीति _____ पर आधारित थी। [1]

(ii) मानवाधिकारों की रक्षा में सक्रिय दो स्वयंसेवी संगठन _____ और _____ हैं। [1]

(iii) _____ उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर के एक आदिवासी क्षेत्र में स्थापित किया गया था। [1]

(iv) तिब्बत के धार्मिक नेता दलाई लामा ने सन् _____ में भारत में शरण ली। [1]

(v) इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने _____ के लोकसभा निर्वाचन को अवैधानिक करार दिया था। [1]

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

(vi) संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का निर्माण सन् _____ में किया गया था। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

(i) तीसरी दुनिया के देशों के नाम से किन देशों को जाना जाता है। [1]

(ii) 1988 में किन देशों में स्वतंत्रता के लिए आंदोलन हुए। [1]

(iii) 'इतिहास की सबसे बड़ी गराज सेल' किस घटना का परिणाम थी? [1]

(iv) सोवियत संघ के किस नेता ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाई? [1]

(v) 1998 अमेरिका के दुतावासों पर किस आंतकी संगठन ने हमला किया? [1]

(vi) अमेरिका की खुफिया जेल ग्वांतानामो-बे कहाँ स्थित है? [1]

(vii) 1950-60 के दशक में किन देशों के बीच जल को लेकर संघर्ष हुआ? [1]

(viii) भारत में मूलवासी किसको कहाँ जाता है? [1]

(ix) बाजार मूलक अर्थव्यवस्था किसे कहते है? [1]

(x) वैश्वीकरण विरोधी आंदोलन का प्रमुख आधार क्या है? [1]

(xi) नर्मदा नदी किन राज्यों के मध्य से होकर गुजरती है? [1]

(xii) 1990 में मजदूर किसान शक्ति संगठन ने क्या माँग रखी? [1]

खण्ड-"ब"

लघूत्तरात्मक प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)

4. अमेरिका पर आंतकी हमले 9/11 की तुलना अमेरिका पर इससे पूर्व में हुए किन हमलों से की जाती है। [2]

5. दक्षेस क्या है? इसकी असफलता का क्या कारण है? [2]

6. 'लिट्टे' क्या है तथा इसकी प्रमुख मांगे क्या थी? [2]

7. विश्व बैंक की प्रमुख शाखाएँ कौन-कौनसी है? [2]

8. BWC व CWC क्या है? [2]

9. पर्यावरण की सुरक्षा के लिये भारत सरकार द्वारा उठाये गये प्रमुख कदम कौनसे है? [2]

10. 'वर्ल्ड काउंसिल ऑफ इंडिजिनस पीपल' क्या है? इसका गठन कब किया गया? [2]

11. स्वतंत्र पार्टी के संगठन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [2]

12. 1971 के चुनावो से पूर्व गठित ग्रेंड अंलायस पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [2]

13. 1970 के दिसम्बर माह में इंदिरा गांधी ने लोकसभा को समय से पूर्व भंग करवाने की अनुशंसा क्यों की? [2]

14. नर्मदा बचाओं आंदोलन के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने क्या निर्णय दिया? [2]

15. ऑपरेशन ब्लू-स्टार किया गया? [2]

16. पूर्वोत्तर की राजनीति के प्रमुख मुद्दे क्या है? [2]

खण्ड-"स"

दीर्घउत्तरीय प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

17. "भारत ने निजी क्षेत्र बनाम सार्वजनिक क्षेत्र में मध्यम मार्ग अपनाया।" इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। [3]

18. अफ्रीकी-एशियाई एकता को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख करें। [3]

19. किन कारणों से वर्ष 1980 में मध्यावधि चुनाव करवाने पड़े? [3]

20. 'मंडल आयोग' की प्रमुख सिफारिशें बताएं। [3]

खण्ड-"द"

निबन्धात्मक प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द)

21. 'क्यूबा मिसाइल संकट शीतयुद्ध का चरम बिन्दु था।' क्यों? विस्तारपूर्वक समझाइए। [4]

अथवा

'गुट निरपेक्षता' का अर्थ बताते हुए समझाइए कि इसने शीत युद्ध के समय दो ध्रुवीयता को चुनौती किस प्रकार दी?

22. यूरोपीय संघ की गठन प्रक्रिया को समझाते हुए इसके आर्थिक, राजनीतिक व सैन्य प्रभाव को बताइये। [4]

अथवा

चीन की आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया को समझाते हुए यह भी बताइए कि चीन की आर्थिक विकास में प्रमुख चुनौतियाँ कौन-कौनसी है?

23. स्वतंत्रत भारत के पुनर्निर्माण के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ कौन-कौनसी थी? [4]

अथवा

"स्वतंत्र भारत के समक्ष धर्म निरपेक्षता स्थापित करना सबसे बड़ी चुनौती थी।" भारत ने इस चुनौती का समाधान किस प्रकार किया?

उत्तरमाला मॉडल पेपर -08

खण्ड-"अ"

1. बहुविकल्पीय प्रश्न -

(i) [स]

पाकिस्तान-चीन-अमेरिका के त्रिकोणीय संबंधों के विरूद्ध भारत ने सोवियत संघ के साथ 1971 में 20 वर्षीय संधि पर हस्ताक्षर किए।

(ii) [अ]

1992 में शीतयुद्ध की समाप्ति के पश्चात् सोवियत संघ से पृथक हुए अनेक गणराज्यों में गृहयुद्ध की स्थिति बनी। तज़िकिस्तान में 2001 तक गृहयुद्ध के हालात रहे।

(iii) **[अ]**
मध्य-एशियाई गणराज्यो मे हाइड्रोकार्बनिक संसाधनों का विशाल भंडार हैं अत: यह क्षेत्र महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा का केंद्र है।

(iv) **[अ]**
बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन मुक्ति वाहिनी सेना द्वारा चलाया गया था जिसे भारत द्वारा हथियार, आर्थिक सहयोग व प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

(v) **[स]**
अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय हेग (नीदरलैण्ड्स) में स्थित हैं।

(vi) **[अ]**
एशिया में विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या निवास करती है। चीन, भारत, इण्डोनेशिया व पाकिस्तान में सबसे अधिक जनसंख्या है।

(vii) **[द]**
1964 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया का विभाजन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के रूप में हुआ।

(viii) **[ब]**
वर्गीज़ कुरियन ने गुजरात के आणद शहर से स्वेज क्रांति को जन्म दिया। यह दुग्ध सहकारी कार्यक्रम था इसके अंतर्गत बिचौलियों को हटाकर सीधे दुग्ध विक्रेताओं को इस कार्यक्रम से जोड़ा गया।

(ix) **[अ]**
भारत ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तान को पराजित किया अत: यह दिवस कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

(x) **[ब]**
तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति फकरूद्दीन अली अहमद से मौखिक वार्तालाप द्वारा 25 जून 1975 को आंतरिक आपातकाल की उद्घोषणा करवाई।

(xi) **[ब]**
पंजाब में शांति स्थापित करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी व अकाली दल नेता हरचंद्र सिंह लोगेंवाल के बीच में 1985 में पंजाब समझौता संपन्न हुआ।

(xii) **[स]**
राजग - राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की स्थापना 1998 में की गई थी। यह गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सहयोगी दलों से मिलकर बना हुआ है।

2. रिक्त स्थान की पूर्ति -

(i) पृथकतावाद
(ii) ह्यूमन राइट्स वॉच, एमनेस्टी इंटरनेशनल
(iii) पॉस्को प्लांट
(iv) 1959
(v) इंदिरा गांधी
(vi) 2004

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

(i) गुटनिरपेक्ष देशों को तीसरी दुनिया के नाम से जाना जाता है।
(ii) 1988 में बाल्टिक देश लिथुआनिया, लताविया, एस्टोनिया में स्वतंत्रता के लिए आंदोलन हुए।
(iii) 'इतिहास की सबसे बड़ी गराज सेल' शॉक थेरेपी का परिणाम थी?
(iv) सोवियत संघ के नेता मिखाइल गोर्बाचेव ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाई।
(v) अलकायदा
(vi) क्यूबा के निकट एक छोटे से द्वीप पर अमेरिका का ग्वांतानामो-बे एक नौ सेनिक ठिकाना है।
(vii) 1950-60 के दशक में सीरिया, जोर्डन, इजराइल के बीच जल को लेकर संघर्ष हुआ?
(viii) भारत में मूलवासी आदिवासी या जनजाति को कहा जाता है।
(ix) ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें राज्य का कम हस्तक्षेप हो तथा खुली प्रतियोगिता हो।
(x) वैश्वीकरण विरोधी आंदोलन वैश्वीकरण का धारणा के विरोधी नहीं है बल्कि वैश्वीकरण के किसी खास कार्यक्रम का विरोधी है जिसे वे साम्राज्यवाद के रूप में मानते है।
(xi) मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात
(xii) संगठन ने आकाल, राहत और मजदूरों को दी जाने वाली पगार के रिकार्ड का सार्वजनिक खुलासा करने की मांग रखी।

खण्ड-"ब"

लघूत्तरात्मक प्रश्न -

4. अमेरिका पर आंतकी हमले 9/11 की तुलना अमेरिका पर इससे पूर्व 1814 तथा 1941 की घटनाओं से की जाती है। 1814 में ब्रिटेन ने वांशिगठन डीसी में आगजनी की थी तथा 1941 में जापान ने अमेरिकी बंदरगाह पर्ल हार्बर पर हमला किया था।

5. दक्षेस साऊथ एशियन एसोसिशिएसन फॉर रिजनल कॉआपरेशन एक क्षेत्रीय संगठन है। जिसकी स्थापना 1985 में हुई। दक्षिण एशियाई देशों के आपसी सहयोग के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गई थी लेकिन दक्षिणी एशियाई देशों के पारस्परिक मतभेदों व तनाव के कारण यह सफल नहीं हो सका।

6. 'लिट्टे' श्रीलंका के तमिल लोगों का संगठन है। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) 1983 से श्रीलंका की सेना के साथ संघर्षरत है। श्रीलंका की सरकार द्वारा तमिलों के प्रति भेदभाव की नीति के विरोध में इस संगठन का जन्म हुआ तथा उग्र रूप अपनाते हुए इसने स्वतंत्र राष्ट्र की मांग रखी।

7. अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निमाण एवं विकास बैंक, अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ, अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम, बहुराष्ट्रीय निवेश गारंटी एजेन्सी, निवेश विवादों के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

8. 1972 जैविक हथियार संधि (BWC) पर 155 देशों ने हस्ताक्षर किए तथा 1992 में रासायनिक हथियार संधि CWC पर 181 देशों ने हस्ताक्षर किए। ये संधियाँ निरस्त्रीकरण के उद्देश्य से की गई जिसके अंतर्गत कुछ खास किस्म में के हथियारों पर रोक लगाने के प्रयास किये गये।

9. 2001 में भारत ने ऊर्जा संरक्षण अधिनिमय पारित किया। इसके अंतर्गत ऊर्जा के कारगर इस्तेमाल की पहलकदमी की गई। ठीक इसी तरह 2003 में बिजली अधिनियम में नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया।

10. 1975 में वर्ल्ड काउंसिग ऑफ इंडिजिनस पीपल का गठन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ में इस परिषद को परामर्शदात्री परिषद का दर्जा दियाग या है। इस परिषद का संगठन आदिवासियों के हितों की सुरक्षा करना हैं।

11. 1959 में स्वतंत्र पार्टी का गठन सी राजगोपालचारी के द्वारा किया गया। इस पार्टी के प्रमुख सदस्य के.एम.मुंशी, एन.जी रंगा, मीनू मसानी थे। स्वतंत्र पार्टी का प्रमुख नारा अर्थव्यवस्था का उदारीकरण था तथा इस पार्टी ने उद्योगीकरण के क्षेत्र में सरकार की लाईसेंस नीति का विरोध किया।

12. 1971 के चुनावों में कांग्रेस को पराजित करने के उद्देश्य से सभी विपक्षी पार्टियों ने मिलकर ग्रेंड अंलायस का गठन किया। इस अलांयस में संयुक्त समाजवादी पार्टी (SSP), प्रजा समाजवादी पार्टी (PSP), भारतीय जनसंघ, स्वतंत्र पार्टी, भारतीय क्रांतिकारी दल शामिल थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी इस गठबंधन में शामिल नहीं थी।

13. 1969 में कांग्रेस के विघटन के पश्चात् इंदिरा गांधी की लोकसभा सीटें कम हो गयी थी। यद्यपि डीएमके व कम्युनिस्ट पार्टी के सहयोग से यह सरकार चल रही थी। इंदिरा गांधी ने सहयोगी दलों पर निर्भरता समाप्त करने तथा संसद में अपनी स्थिति को मजबूत करने तथा अपने कार्यक्रम के पक्ष में जनादेश हासिल करने के उद्देश्य से दिसम्बर 1970 में लोकसभा को समय से पूर्व भंग करवाने की अनुशंसा की।

14. नर्मदा बचाओं आंदोलन पर्यावरण की सुरक्षा तथा विस्थापन व पुर्नवास की मांग पर प्रारंभ किया गया था। पर्यावरणविदो द्वारा लंबे समय तक इस योजना के विरूद्ध आंदोलन किया गया। सर्वोच्च न्यायालय इस संबंध में निर्णय देते हुए कहा कि यह परियोजना निरंतर जारी रहे लेकिन सरकार विस्थापन व पुर्नवास के संबंध में नीति बनाये।

15. पंजाब को खालिस्तान नाम से स्वतंत्र राष्ट्र बनाये जाने की मांग ने 1980 के दशक में जोर पकड़ा। अकाली दल के चरमपंथी समुदाय के नेतृत्व में पंजाब में 1984 में हिंसा भड़की। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू-स्टार के माध्यम से हिंसा पर नियंत्रण किया तथा स्वर्ण मंदिर में इस आंदोलन के नेतृत्व कर्ताओं को मौत के घाट उतारा।

16. **पूर्वोत्तर की राजनीति के प्रमुख मुद्दे -**

- स्वायत्ता की मांग - केन्द्र का राज्यों के मामलों में कम हस्तक्षेप।
- अलगाववादी आंदोलन - नागालैंड व मिजोरम में स्वतंत्रता के लिये आंदोलन।
- बाहरी लोगों का विरोध - असम में बांग्ला लोगों के विरूद्ध आंदोलन।

खण्ड-"स"

दीर्घउत्तरीय प्रश्न -

17. विकास के दो जाने-माने मॉडल भारत की आजादी के समय विश्व पटल पर मौजूद थे। पूँजीवादी मॉडल में विकास का काम पूर्णतया निजीक्षेत्र के भरोसे होता है तथा समाजवादी मॉडल में निजी सम्पति को पूरी तरह से समाप्त कर समस्त अर्थव्यवस्था राज्य के नियंत्रण में स्थापित की जाती है। भारत ने इन दोनों मॉडल को मिश्रित स्वरूप को अपनाया जिसे मिश्रित अर्थव्यवस्था कहा जाता है। खेती-किसानी, व्यवसाय व उद्योगों का एक बड़ा भाग निजी क्षेत्र के हाथों में था। राज्य ने अपने हाथ में भारी उद्योगों को रखा। राज्य ने व्यापार का नियमन किया तथा कृषि के क्षेत्र में कुछ बड़े हस्तक्षेप किए। भारत के इस मॉडल के आलोचना दक्षिणपंथी व वामपंथी दोनों विचारधाराओं के द्वारा की गई।

18. पंडित नेहरू ने 1940 के दशक में एशिया-अफ्रीका के नवस्वतंत्र देशों के साथ सम्पर्क बनाये। 1940-50 के दशक में नेहरू ने अफ्रीकी एशियाई एकता का समर्थन किया तथा 1947 के मार्च में एशियाई संबंध सम्मेलन (एशियन रिलेशन्स क्रॉफ्रेंस) का आयोजन किया अभी भारत को स्वतंत्रता प्राप्त होने में लगभग 5 महीने शेष थे। भारत ने इण्डोनेशिया की आजादी के लिये भरपूर प्रयास किया। भारत चाहता था कि इण्डोनेशिया डच औपनिवेशक वाद से जल्द स्वतंत्र हो इसके लिए भारत ने 1949 इण्डोनेशिया के स्वतंत्रता संग्राम के समर्थन में एक अंतर्राष्ट्रीस सम्मेलन किया। भारत अनौपनिवेशिकरण की प्रक्रिया का प्रबल समर्थन किया तथा नल्सवाद व अमरीकी रंगभेद का भी विरोध किया। 1955 में एफ्रो एशियाई देशों का सम्मेलन इण्डोनेशिया में आयोजन किया जिसे बाण्डूंग सम्मेलन के नाम से जाना जाता है।

19. भारत में पहली बार 1977 में जनता पार्टी की मोरारजी देसाई के नेतृत्व में गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ। यह एक गठबंधन सरकार थी जिसमें मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह व बाबू जगजीवन राम के बीच प्रधानमंत्री पद के लिये संघर्ष था यद्यपि

मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बन गये फिर भी आपसी तनाव जारी रहा। जनता पार्टी सरकार के पास किसी निर्धारित कार्यक्रम व नीतियों का अभाव था अत: मोरारजी देसाई की सरकार 18 महीने में ही गिर गई। इसके पश्चात चौधरी चरण सिंह प्रधानमंत्री बने लेकिन 4 महीने में यह सरकार भी गिर पड़ी तथा 1980 में मध्यावधि चुनाव करवाने पड़े।

20. 1978 में पिछड़ा वर्ग को आरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से जनता पार्टी सरकार ने बिंदेश्वरी प्रसाद मण्डल के नेतृत्व में दूसरे पिछड़े वर्ग आयोग का गठन किया जिसने 1980 में अपनी सिफारिशें प्रदान की जो इस प्रकार थी - पिछड़ा वर्ग को पिछड़ी जाति के अर्थ में स्वीकार किया जाये क्योंकि अनुसूचित जातियों से अलग ऐसी अनेक जातियाँ है जिन्हें वर्ण-व्यवस्था में नीच समझा जाता है। आयोग ने एक सर्वेक्षण किया और पाया कि इन पिछड़ी जातियों की शिक्षा संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में बहुत कम हिस्सेदारी है। अत: आयोग ने इनके लिए शिक्षा संस्थाओं व सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत सीट आरक्षित रखने की सिफारिश कीं। आयोग ने पिछड़ा वर्ग की स्थिति को सुधारने के लिए भूमि सुधार का भी सुझाव दिया।

खण्ड-"द"

निबन्धात्मक प्रश्न -

21. क्यूबा अमरीका के तट से लगा हुआ एक छोटा-सा द्वीपीय देश है। क्यूबा का जुड़ाव सोवियत संघ से था और सोवियत संघ उसे कूटनीतिक तथा वित्तिय सहायता देता था। अमेरिका क्यूबा की साम्यवादी सरकार का तख्ता पलटना चाहता था इसका पता चलते ही सोवियत संघ के नेता निकिता खुश्चेव ने क्यूबा को रूस के 'सैनिक अड्डे' के रूप में बदलने का फैसला किया। 1962 में खुश्चेव ने क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात कर दीं। इन हथियारों की तैनाती से पहली बार अमरीका नजदीकी निशाने की सीमा में आ गया। हथियारों की इस तैनाती के बाद सोवियत संघ पहले की तुलना में अब अमरीका के मुख्य भू-भाग के लगभग दोगुने ठिकानों या शहरों पर हमला बोल सकता था।

क्यूबा में सोवियत संघ द्वारा परमाणु हथियार तैनात करने की भनक अमरीकियों को तीन हफ्ते बाद लगी। कैनेडी ने आदेश दिया कि अमरीकी जंगी बेड़ों को आगे करके क्यूबा की तरफ जाने वाले सोवियत ज़हाजों को रोका जाए। इस तरह अमरीका सोवियत संघ को मामले के प्रति अपनी गंभीरता की चेतावनी देना चाहता था। ऐसी स्थिति में यह लगा कि युद्ध होकर रहेगा। इस घटना को 'क्यूबा मिसाइल संकट' कहा जाता है। इस संघर्ष की आशंका ने पूरी दुनिया को बेचैन कर दिया। यह टकराव कोई आम युद्ध नहीं होता। अंतत: दोनों पक्षों ने युद्ध टालने का फैसला किया और दुनिया ने चैन की साँस ली। सोवियत संघ के जहाजों ने या तो अपनी गति धीमी कर ली या वापसी का रूख कर लिया।

'क्यूबा मिसाइल संकट' शीतयुद्ध का चरम बिंदु था। शीतयुद्ध सोवियत संघ और अमरीका तथा इनके साथी देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता, तनाव और संघर्ष की एक श्रृंखला के रूप में जारी रहा। सौभाग्य से इन तनावों और संघर्षों ने युद्ध का रूप नहीं लिया यानी इन दो देशों के बीच कोई पूर्णव्यापी रक्तरंजित युद्ध नहीं छिड़ा। विभिन्न इलाकों में युद्ध हुए, दोनों महाशक्तियाँ और उनके साथ देश इन युद्धों में संलग्न रहें, वे क्षेत्र-विशेष के अपने साथी देश के मददगार बने लेकिन दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध से बच गयी।

अथवा

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विश्व पूँजीवाद व साम्यवाद के बीच विभाजित था। 1940 के दशक में एशिया में नवीन स्वतंत्र देशों का उद्भव हुआ। इसी क्रम में अलगे दो दशक में अफ्रीकी व लेटिन अमरीकी देश भी उपनिवेशवाद से स्वतंत्र हुए। इन सभी देशों पर पूँजीवादी व साम्यवादी दोनों में से किसी एक गुट में शामिल होने का दबाव था ऐसे में भारत, मिश्र व युगोस्लाविया के नेता नेहरू नासिर व टीटो ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन को जन्म दिया। गुटनिरपेक्षता का अर्थ किसी भी गुट में शामिल न होकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करना है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला शिखर सम्मेलन, 1961 को बेलग्रेड में हुआ था। इसमें 25 अफ्रीकी, एशियाई राष्ट्रों तथा एक यूरोपीय राष्ट्र ने भाग लिया था। एशिया व अफ्रीका के नव स्वतंत्र राष्ट्रों ने शक्ति राजनीति, शीतयुद्ध, साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, नव उपनिवेशवाद, नस्ल भेद, शस्त्रीकरण तथा परमाणु प्रयोग के विरूद्ध एक महान मुहिम छेड़ दी।

गुटनिरपेक्षता का मुख्य उदेश्य विश्व शांति, स्वतंत्रता, समृद्धि में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना था। गुटनिरपेक्ष आंदोलन में विकासशील राष्ट्र या विशेषकर नव स्वतंत्र राष्ट्र शामिल थे। इन्होंने गुटनिरपेक्ष आन्दोलन में भाग लिया या गुटनिरपेक्षता को अपनाया। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का सदस्य बनकर ये दोनों गुटों से आर्थिक मदद ले सकते थे। यदि एक राष्ट्र विकासशील राष्ट्र को दबाने की कोशिश करेगा, तब दूसरा राष्ट्र उसके सामने विकल्प के रूप में विद्यमान रहेगा। विकासशील देश अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने और विकास के लिए धनी देशों पर निर्भर थे। इन्हीं परिस्थितियों में नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था (NIEO) की अवधारणा हमारे सामने आई। गुट निरपेक्ष आंदोलन ने सैन्य गुटों का विरोध किया तथा शस्त्रीकरण का भी विरोध किया जिसके परिणामस्वरूप महाशक्तियों ने समय-समय पर निरस्त्रीकरण के संबंध में अनेक संधियाँ सम्पन्न की। गुटनिरपेक्ष देशों ने शीतयुद्धकालीन सैन्य संघर्षों के विरूद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ में एकजुट होकर आवाज उठाई

जिसके परिणामस्वरूप विश्व तीसरे विश्वयुद्ध में जाने से सुरक्षित रहा।

22. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात ट्रूमेन सिंद्धात तथा मार्शल योजना के तहत पश्चिमी यूरोप के पुनर्निमाण हेतु अमेरिका द्वारा लगभग 12 हजार अरब डॉलर कि सहायत राशि 5 वर्षों को के लिए निर्धारित की गई। इसके परिणामस्वरूप 1948 में यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन स्थापित किय गया। 1949 में यूरोपीय परिषद का गठन किया गया। 1957 में यूरोपियन इकॉनोमिक कम्युनिटी का गठन किया गया। इसी वर्ष यूरोपीय एटमी ऊर्जा समुदाय का गठन किया गया। 1979 में यूरोपीय संसद के लिए पहला चुनाव करवाया गया। 1992 में मास्ट्रिट संधि के माध्यम से यूरोपीय संघ का गठन किया गया। जनवरी 2002 में यूरोपीय संघ के 12 देशों ने यूरो मुद्रा को स्वीकार किया। इस प्रकार वर्तमान समय में यूरोपीय संघ विश्व की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं वाले संगठनों में अपना स्थान रखता है।

निम्नलिखित बातें यूरोपीय संघ को प्रभावशाली बनाती है -

1. आर्थिक प्रभाव -

- यूरोपीय संघ का अमेरिका की तुलना में विश्व व्यापार में तीन गुना बड़ा हिस्सा।
- इसकी मुद्रा यूरो, अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व के लिए खतरा पैदा कर सकती है।
- यूरोपीय संघ विश्व व्यापार संगठन (WTO) में एक महत्वपूर्ण ब्लॉक के रूप में कार्य करता है।

2. राजनीतिक और राजनयिक प्रभाव -

- यूरोपीय संघ का सदस्य, फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र की नीतियों को प्रभावित करने के लिए सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य है।
- यूरोपीय संघ में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विभिन्न अस्थायी सदस्य भी शामिल हैं।
- यूरोपीय संघ कूटनीति और वार्ता में एक प्रभावशाली भूमिका निभाता है, मानव अधिकारों और पर्यावरण क्षरण पर चीन के साथ यूरोपीय संघ सैन्य ताकत की अपेक्षा बातचीत को महत्व देता है।

3. सैन्य प्रभाव -

- सैनिक ताकत के हिसाब से यूरोपीय संघ के पास दुनिया की दुसरी सबसे बड़ी सेना है।
- सेना पर इसका कुल खर्च अमेरिका के बाद दूसरा है।
- इसके दो महत्वपूर्ण सदस्य- ब्रिटेन और फ्रांस के पास 550 परमाणु हथियारों का जखीरा था लेकिन ब्रिटेन के अलग होने के पश्चात् फ्रांस के पास लगभग 335 परमाणु हथियार है।
- यूरोपीय संघ का अंतरिक्ष और संचार प्रौद्योगिकी में दुनिया में दूसरा स्थान है।

अथवा

चीन ने 1949 में सोवियत मॉडल के आर्थिक ढाँचे को अपनाया लेकिन 1970 के दशक में चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को बदलने का निर्णय लिया। 1972 में अमेरिका चीन के बीच व्यापारिक संबंधों की शुरूआत हुई। 1973 में चीनी प्रधानमंत्री चाउ एनलाई ने कृषि, उद्योग, सेना, विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को प्रारंभ किया। 1978 में तत्कालीन नेता देंग श्याओपेंग ने आर्थिक सुधारों और खुले द्वारा के नीति की घोषणा की। 1982 ने चीन ने कृषि का तथा 1998 में उद्योगों को निजीकरण किया। व्यापार संबंधी अवरोधों को केवल विशेष आर्थिक क्षेत्रों से ही हटाया गया। चीन ने व्यापार के नये कानून लागू किये तथा विशेष आर्थिक क्षेत्रों (Special Economic Zone) का निर्माण किया। इससे विदेशी व्यापार के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। 2001 में चीन ने विश्व व्यापार संगठन की सदस्यता प्राप्त की। वर्तमान समय में चीन विश्व की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है।

हालांकि चीनी अर्थव्यवस्था में नाटकीय रूप से सुधार हुआ है, फिर भी चीन में हर कोई उन सुधारों से लाभान्वित नहीं हुआ है जिन्हें निम्नलिखित तथ्यों से आंका जा सकता है-

- बेरोजगारी बढ़ी है। लगभग 10 करोड़ लोग रोजगार की तलाश में हैं।
- महिलाओं के लिये रोजगार के हालात खराब हैं।
- पर्यावरण क्षरण और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है।
- ग्रामीण और शहरी निवासियों के बीच बढ़ती आर्थिक असमानता।

23. (i) देश की क्षेत्रीय अखण्डता को कायम रखने की चुनौती - आजादी के तुरन्त बाद देश की क्षेत्रीय अखण्डता को कायम रखने की चुनौती सबसे प्रमुख थी। भारत अपने आकार व विविधता के कारण एक उपमहाद्वीप है। यहाँ विभिन्न धर्मों, जातियों, वर्गों, भाषाओं, बोलियों, संस्कृति को मानने वाले लोग निवास करते हैं। अतः यही माना जा रहा था कि इतनी विभिन्नताओं से भरा कोई देश अधिक दिनों तक एकता कायम नहीं रख सकता।

(i) लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम करना - दूसरी चुनौती लोकतांत्रिक व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू रखने की थी। भारत ने संसदीय शासन पर आधारित प्रतिनिधित्व मूलक लोकतंत्र को अपनाया। भारतीय संविधान भारत की आन्तरिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक शक्तियों के पारस्परिक सम्बन्धों की वैधानिक अभिव्यक्ति है। संविधान में मौलिक अधिकारों की व्यवस्था की गयी है तथा प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार भी दिया गया है।

इन विशेषताओं के आधार पर यह बात सुनिश्चित हो गई कि लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था के बीच राजनीतिक मुकाबले होंगे। लोकतंत्र को कायम करने के लिए लोकतांत्रिक संविधान आवश्यक होता है परन्तु यह भी काफी नहीं होता। देश के सामने यह चुनौती भी थी कि संविधान पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवहार व व्यवस्थाएँ भी चलन में आएँ ताकि लोकतंत्र कायम रह सके।

(ii) आर्थिक विकास हेतु नीति निर्धारित करना - स्वतंत्रता के तुरन्त बाद तीसरी प्रमुख चुनौती थी - आर्थिक विकास हेतु नीतियों का निर्धारण करना। इन नीतियों के आधार पर सम्पूर्ण समाज का विकास होना था, किन्हीं विशेष वर्गों का नहीं।

इस चुनौती का भी सफलतापूर्वक सामना हमारे नीति - निर्माताओं ने किया। भारतीय संविधान के द्वारा भारत में एक लोक-कल्याणकारी राज्य की स्थापना किए जाने की व्यवस्था की गयी। इसी व्यवस्था के अन्तर्गत भारतीयों को अवसर की समानता तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान की गयी। सरकार से यह भी अपेक्षा की गयी कि व अपंगों, वृद्धों व बीमार व्यक्तियों की उचित सहायता करे। उपर्युक्त चुनौतियों का सामना भारत के नीति - निर्माताओं ने डटकर किया। भारत में लोकतंत्र की धारणा कारगर सिद्ध हुई राज्यों के भाषाई पुनर्गठन के बावजूद देश की एकता और अधिक मजबूत हुई क्योंकि हमारे स्वतंत्रता-संग्राम की गहरी प्रतिबद्धता लोकतंत्र में थी।

अथवा

14 - 15 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि को हिन्दुस्तान आजाद हुआ। हिन्दुस्तान की जनता इसी क्षण की प्रतीक्षा कर रही थी परन्तु यह कोई आसान काम नहीं था। आजाद हिन्दुस्तान का जन्म अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में हुआ। हिन्दुस्तान जब आजाद हुआ उस समय कोई भी राष्ट्र इस प्रकार के हालातों में आजाद नहीं हुआ था। आजादी मिलने का स्वप्न देश के बँटवारे के साथ पूरा हो सका। सन् 1947 का वर्ष भयंकर हिंसा व विस्थापन की त्रासदी का वर्ष था। इन्हीं कठिन परिस्थितियों में अपने विभिन्न लक्ष्य तथा अनेक चुनौतियाँ भी थीं जिनका सामना हिन्दुस्तान को करना था।

आजादी के उन कष्टकारी दिनों में भी हमारे नेताओं का ध्यान इस लक्ष्य से नहीं भटका कि नव-स्वतंत्र भारत चुनौतियों की चपेट में है। बँटवारे के कारण बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। लोग विस्थापित हुए तथा इस घटना से धर्मनिरपेक्ष भारत की धारणा पर ही आँच आने लगी। दोनों देशों के भू- भाग को रेखांकित करते हुए सीमा-रेखा खींच दी गई।

भारत को धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाने हेतु नेतागणों के प्रयास-स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद कुछ ऐसे संगठन सक्रिय थे जो भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए हिन्दुओं को लामबंद करने की कोशिश में लगे थे, परन्तु भारत की कौमी सरकार के अधिकांश नेतागण सभी नागरिकों को समान दर्जा देने के हिमायती थे, चाहे नागरिक किसी भी धर्म का हो। वे भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में नहीं देखना चाहते थे जहाँ किसी एक धर्म के अनुयायियों को दूसरे धर्मावलम्बियों से ऊँचा माना जाए तथा अन्य को हीन माना जाए। नागरिकता की कसौटी धर्म को नहीं बनाया जाना चाहिए। हमारे नेताओं के धर्मनिरपेक्ष राज्य के आदर्श की अभिव्यक्ति भारतीय संविधान में हुई। नवीन संविधान के द्वारा भारत में धर्मनिरपेक्ष समाजवादी राज्य की स्थापना की गयी है। इस प्रकार समस्त सम्प्रदायों के लोगों को समान अधिकार व अवसर प्रदान किए गए है। हमारे नेतागणों के प्रयासों के फलस्वरूप भारत में धर्म अथवा सम्प्रदाय के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।

भारतीय संविधान की मुख्य विशेषता भारत में राष्ट्रीयता व एकता की भावना को बढ़ाना है। पं. जवाहर लाल नेहरू के शब्दों में, ''हमें अपने अल्पसंख्यकों के साथ सभ्यता और शालीनता के साथ पेश आना है। लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था में हमें उन्हें नागरिक के अधिकार देने होंगे और उनकी रक्षा करनी होगी। अगर हम ऐसा करने में कामयाब नहीं होते तो यह एक नासूर बन जाएगा जो पूरी राज-व्यवस्था में जहर फैलाएगा और शायद उसको तबाह भी कर दे।''

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

UTKARSH
CLASSES

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12
Smart e-Learning Programme



उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan
कर आज ही
'उत्कर्ष एप'
डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE & Recorded Classes** • **English & Hindi Medium**

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS



UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com ✉ support@utkarsh.com